राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 74 | जौनपुर मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

केरल के कोट्टयम में पर्यटक बस पलटने से एक महिला की मौत, 49 यात्री घायल

केरल, (एजेंसी)। केरल में कोट्टयम के चीन्कल्लेल में एक पर्यटक बस के पलट जाने से एक महिला यात्री की मौत हो गयी और 49 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक महिला की पहचान कन्नूर जिले के इरिट्टी स्थित पेरावूर निवासी सिंधु के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सभी यात्री कन्याकुमारी एवं तिरुवनंतपुरम घूमने के बाद इरिट्टी में अपने घर लौट रहे थे। यह दुर्घटना देर रात करीब एक बजे हुई जब बस के चालक ने चीन्कल्लेल चर्च के पास एमसी रोड पर एक मोड़ पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह पलट गयी और एक पेड़ से टकरा गयी। बस में सवार सभी 49 यात्रियों को मोनिपल्ली के एक निजी अस्पताल और कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। सिंधु को मोनिपल्ली ले जाया गया, जहां उसने गंभीर रूप से घायल होने के कारण दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि करीब 18 यात्रियों को गंभीर चोटें आयी हैं। हालांकि, उनकी हालत स्थिर है। बाद में यातायात व्यवधान को दूर करने के लिए पलटी हुई बस को क्रेन की मदद से हटाया गया। कुरविलंगडु पुलिस ने बस चालक विनोद के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटनावश मौत का कारण बनने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

केरल के मुख्यमंत्री ने पुन्नपरा–वायलार विद्रोह के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

केरल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ने कहा, 24 से 27 अक्टूबर, 1946 तक, अनेक कॉमरेड ने दीवान की सेना के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि पुन्नपरा और वायलार के संघर्षों में कई कॉमरेड शहीद हो गए। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को ऐतिहासिक पुन्नपरा–वायलार विद्रोह के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि इस वर्ष इस विद्रोह की 79वीं वर्षगांठ है। यह विद्रोह अलपुझा जिले में हुआ था और कम्युनिस्ट पार्टी ने तत्कालीन त्रावणकोर रियासत के दीवान सर सी. पी. रामास्वामी अय्यर के शासन के साथ–साथ सामंतवाद व पूंजीवादी शोषण के खिलाफ इसका नेतृत्व किया था। विजयन ने लिखा, कॉमरेड वी.एस. अच्युतानंदन और अन्य लोगों ने चेरथला और अंबलप्पुझा तालुकों के कृषकों के वीरतापूर्ण संघर्ष को प्रेरणादायी नेतृत्व दिया। अच्युतानंदन की अनुपस्थिति में यह पहला पुन्नपरा– वायलार स्मरणोत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष जुलाई में 101 वर्ष की आयु में अच्युतानंदन का निधन हो गया था। उन्होंने पुन्नपरा– वायलार विद्रोह में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

डिजिटल अरेस्ट नागरिकों के लिए सबसे खतरनाक खतरों में से एक : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि तकनीक ने पुलिसिंग के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला दिया है और डिजिटल गिरफ्तारी नागरिकों के लिए सबसे भयावह खतरों में से एक बन गई है। राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लोगों, खासकर वंचित वर्ग को पुलिस को एक भयावह संस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक सहारे के स्रोत के रूप में देखना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस दौरान कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और हमें अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और

तेज करने के लिए लगातार बढ़ते सार्वजनिक और निजी निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून–व्यवस्था एक आवश्यक पूर्व शर्त है। निवेश और विकास को बढ़ावा देने में प्रभावी पुलिसिंग उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि आर्थिक प्रोत्साहन। राष्ट्रपति ने कहा कि आईपीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों जैसे युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल शविकसित भारत के निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण करते हैं, गिरफ्तारी और बैंक खातों को फ्रीज करने जैसी धमकियों का इस्तेमाल करके पीड़ितों को कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए जुर्माना या जमानत राशि के रूप में पैसे देने के लिए मजबूर करते हैं। ये धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर वीडियो कॉल का इस्तेमाल करते हैं और पीड़ितों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता उपयोगकर्ता आधार है। उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने भारत जैसे उपनिवेशों में भय, अविश्वास और दूरी पर आधारित पुलिस व्यवस्थाएँ बनाईं। पुलिस व्यवस्था में सांस्कृतिक वि–उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया आईपी या भारतीय पुलिस को आईपीएस या भारतीय पुलिस सेवा में बदलने के साथ शुरू हुई। यह बदलाव शासन करने के बजाय सेवा करने के विचार पर आधारित एक नया दृष्टिकोण लाने के लिए था।

न्यायमूर्ति गवई ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने केंद्र सरकार से न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। वर्तमान प्रधान न्यायाधीश गवई के बाद उच्चतम न्यायालय के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के 53वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण कर सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। सूत्रों के अनुसार इस साल 14 मई को प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले न्यायमूर्ति गवई ने अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में केंद्रीय विधि मंत्रालय से न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में 24 मई, 2019 को पदोन्नत हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत का प्रधान न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल एक साल 2 महीने से अधिक होगा। वह 9 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।

एक दशक में किए सुधारों से समुद्री क्षेत्र में उभरती हुई ताकत बना देश – अमित शाह

मुंबई, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को श्इंडिया मैरीटाइम वीक 2025श का उद्घाटन किया। इस दौरान महाराष्ट्र के

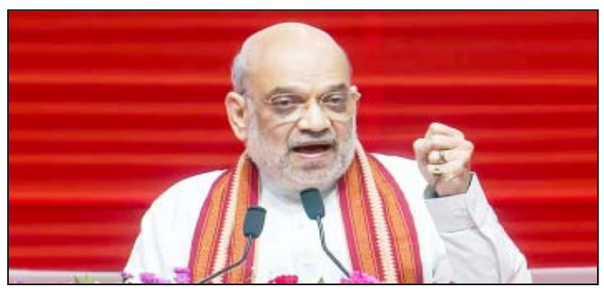

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि गेटवे ऑफ इंडिया की जगह ये सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मंथन के बाद जो विचार सामने आएंगे, उनसे गेटवे ऑफ इंडिया गेटवे ऑफ वर्ल्ड में बदल जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बीते एक दशक में मेरीटाइम इकॉनोमी में जो सुधार किए गए हैं, उनके चलते भारत वैश्विक समुद्री नक्शे पर एक उभरती हुई ताकत बनकर खड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत की मेरीटाइम स्थिति, लोकतांत्रिक स्थिरता और नौसैन्य क्षमताएं हिंद प्रशांत और वैश्विक दक्षिण क्षेत्र में विकास, सुरक्षा और पर्यावरण को बढ़ावा दे रही हैं। शाह ने कहा कि भारत का समुद्री इतिहास 5000 साल पुराना है और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नया समुद्री इतिहास लिख रहा है अमित शाह ने कहा कि श्भारत की समुद्री ताकत और सुरक्षा की दृष्टि से इसकी लोकेशन बेहद अहम है। भारत की तट रेखा 11 हजार किलोमीटर लंबी है। देश में 13 तटीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से देश को संदेश देंगे पीएम मोदी, दिखेगा एकता और वीरता का संगम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस शुक्रवार गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का नेतृत्व करेंगे। यहां स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी इस समारोह का केंद्रबिंदु रहेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय एकता दिवस को भव्य तरीके से मनाने की तैयारी है, जिसमें देश की एकता, अनुशासन और वीरता का अद्भुत प्रदर्शन होगा। हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार पटेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह उनकी 150वीं जयंती है। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता परेड आयोजित होगी, जिसमें

सुरक्षा बल अपनी वीरता और समर्पण का प्रदर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से रन फॉर यूनिटी में शामिल होने का आह्वान किया है ताकि देश में एकता और अखंडता के संदेश को और मजबूत किया जा सके। इस वर्ष की राष्ट्रीय एकता परेड में बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी जैसे अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां हिस्सा लेंगी। इसके अलावा असम, त्रिपुरा, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, केरल और आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम भी परेड में शामिल होगी। परेड में घुड़सवार दस्ते, ऊंट दल और देशी नस्ल के कुत्तों के प्रदर्शन को विशेष आकर्षण के रूप में शामिल किया गया है। इस बार गार्ड ऑफ ऑनर एक महिला अधिकारी के नेतृत्व में दिया जाएगा। वहीं, सीआईएसएफ और सीआरपीएफ की महिला कर्मी मार्शल आर्ट्स और निहत्थे युद्ध कौशल का प्रदर्शन करेंगी। इस परेड में बीएसएफ का ऊंट दस्ते का बैंड, गुजरात पुलिस का घोड़ा दल, असम पुलिस का मोटरसाइकिल स्टंट शो और देशी नस्ल के रैंपोर और मुदहोल हाउंड्स कुत्तों की क्षमताओं का प्रदर्शन भी किया जाएगा। परेड का एक बड़ा आकर्षण होगा भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' टीम का शानदार एयर शो, जो आसमान में एकता के रंग बिखेरेगा।

जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा- योगी

लखीमपुर खीरी, (संवाददाता)। संत क्षमा देव और गुरमन देव के स्मृति जन्मोत्सव मेले में सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब वह यहां आए तो गांव का नाम मुस्तफाबाद होने के बारे में जानकारी ली। पता चला कि यहां मुस्लिम आबादी एक भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस गांव का नाम कबीरधाम होना चाहिए। इसके लिए प्रस्ताव मांगा गया है। जल्द ही मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीर धाम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो भाजपा की सरकार राष्ट्र हित के भाव से काम कर रही है, वैसे भाव 2014 से पहले नहीं थे। तब हिंदू आस्था पर प्रहार करने व देश के खजाने को लूटने का काम होता था। योगी ने कहा कि भाजपा सरकार में अयोध्या और काशी के साथ ही ध ार्मिक आस्था वाले स्थलों के लिए ध

न खर्च किया। पहले यह पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल बनाने में जाता था। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक आस्था पर चोट करने के लिए अयोध्या का नाम बदलकर फैजाबाद और प्रयागराज का नाम बदलकर इलाहाबाद किया गया था। हमारी सरकार आई तो अयोध्या और प्रयागराज को उसका पुराना गौरवशाली इतिहास वापस मिला। इसी तरह से अब मुस्तफाबाद भी कबीरधाम के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कबीरधाम से जात–पात पर भी प्रहार किया। यहां से समाज को एकजुटता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कबीरदास ने जातीयता पर प्रहार किया। जाति की विसंगितयों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा था कि जात–पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जात–पात देश की गुलामी का कारण रहा था। जाति के नाम पर समाज का विभाजन हुआ था। इस विभाजन से उबारने के लिए उस समय गुरु रामानंद, कबीरदास, रविदास समेत अनेक संतों ने समाज को नई दिशा दी। उनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासांगिक है, जितना उस समय थी।

आज भी समाज को बांटने को हो रही साजिश

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भी समाज की आस्था पर प्रहार हो रहे हैं। जातीय आधार पर विभाजित करने की साजिश हो रही है।

अखिलेश यादव का सरकार पर हमला, बोले– किसानों को नहीं मिल रही खाद

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान लगातार खाद के संकट से जूझ रहे हैं। धान के बाद अब गेहूं और अन्य फसलों की बुआई के लिए भी किसानों को डीएपी और एनपीके जैसी उर्वरकें नहीं मिल रही हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी, महोबा, फतेहपुर, बदायूं, अमेठी समेत अन्य जिलों में सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी–लंबी लाइनें लग रही हैं। किसान दिन भर इंतजार करते हैं, लेकिन उन्हें खाद नहीं मिलती है। हर दिन सैकड़ों किसान निराश होकर वापस लौट रहे हैं। प्रदेश में जबसे ये सरकार आई है, खाद संकट कम नहीं हो रहा है। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जारी है। योगी की निकालो –सीएमएस के इस बयान पर यूपी सरकार ने लिया बड़ा एक्शन, किया निलंबित उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। किसानों की लगातार उपेक्षा हो रही है। सरकार किसानों के प्रति संवेदनहीन है। यह किसान विरोधी सरकार है। सरकार पूरी साजिश के तहत किसानों को खेती और उनकी जमीनों से दूर कर रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश के किसान को पहले धान की फसल के लिए खाद नहीं मिली। कई जगहों पर किसानों पर लाठीचार्ज हुआ। किसान घायल हुए। अब वही स्थिति गेहूं की फसल के लिए भी है। महोबा में हजारों किसान खाद के लिए सहकारी समितियों पर पहुंचे, लेकिन सिर्फ कुछ लोगों के अलावा किसी को खाद नहीं मिली। लखीमपुर में सहकारी समितियों पर खाद नहीं पहुंची।

वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देंगे, तेजस्वी यादव ने किया भ्रामक दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि अगर बिहार में आरजेडी सत्ता में आई तो वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। मुस्लिम बहुल कटिहार, किशनगंज और अररिया जिलों में लगातार जनसभाओं को संबोधित करते हुए, यादव ने कहा कि उनके पिता और राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने देश की सांप्रदायिक ताकतों से कभी समझौता नहीं किया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने तेजस्वी के हवाले से कहा लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा ऐसी ताकतों का समर्थन किया है और उन्हीं की वजह से आरएसएस और उसके सहयोगी संगठन राज्य के साथ–साथ देश में भी सांप्रदायिक नफरत फैला रहे हैं। भाजपा को भारत जलाओ पार्टी कहा जाना चाहिए। अगर आरजेडी राज्य में सत्ता में आई तो हम वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देंगे। वक्फ (संशोधन) अधिनियम अप्रैल में संसद द्वारा पारित किया गया था। सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने इस कानून को पिछड़े मुसलमानों और महिलाओं के लिए पारदर्शिता और सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम बताया है, जबकि विपक्ष ने इसकी आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि यह मुसलमानों के अधिकारों का हनन करता है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम अप्रैल में संसद द्वारा पारित किया गया था। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने कहा कि यह अधिनियम मुस्लिम समुदाय, विशेषकर महिलाओं को लाभान्वित और सशक्त करेगा। लेकिन विपक्ष लगातार इसकी आलोचना करता रहा है ।

अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता कोई भी देश : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय रक्षा विनिर्माता सोसायटी (एसआईडीएम) के वार्षिक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह सच्चाई है कि कोई भी देश अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। चाहे अमेरिका हो, चीन हो या दक्षिण कोरिया..जो भी देश आगे गए हैं, वो अनुसंधान और विकास की वजह से ही गए हैं।

सरकार का काम समान अवसर प्रदान करना

उन्होंने आगे कहा, सीखने के लिए तो हमें कहीं से भी किसी से भी सीखना चाहिए। हम तो श्आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वतरूश की सोच को मानने वाले लोग हैं। दुनिया में अगर कहीं भी अच्छा अभ्यास हो रहा है, तो उसको अपनाने में हमें पीछे नहीं रहना चाहिए। जैसा कि मैने कहा है कि सरकार का काम एक लेवल प्लेइंग फील्ड (समान अवसर प्रदान करना) देना है और आपको लेवल

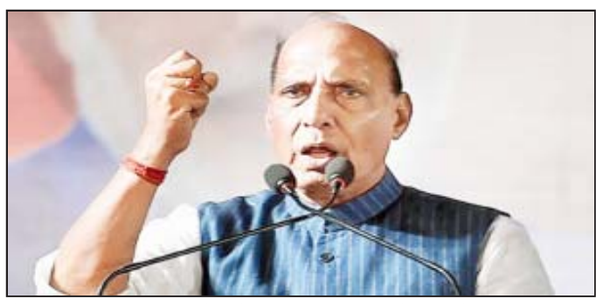

प्लेइंग फील्ड मिल रही है। लेकिन खेलना तो आप लोगों को ही है। खेल का अभ्यास भी करते रहिए। मैं चाहता हूं आप ऐसा खेलें कि पूरी दुनिया दर्शक बनकर आपकी ओर देखें।

अनिश्चितता को ध्यान में रखकर उठाने होंगे कदम

राजनाथ सिंह ने कहा, हाल ही में पहलगाम हमले के बाद जिस तरह हमने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। उसके बाद स्थितियां कुछ ऐसी बनीं थी कि युद्ध हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। हालांकि, हमारी सेनाएं किसी भी स्थिति में अपनी सीमाओं की रक्षा करने में पूरी तरह तैयार थीं। लेकिन मैं बस यह कहना चाहता हूं कि दुनिया में शांति और कानून–व्यवस्था में अनिश्चितता तो बढ़ ही गई है। इसलिए उस अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए हमें हर डोमेन का सावधानी से विश्लेषण करते हुए अपने कदम उठाने होंगे। आज रक्षा और युद्ध क्षेत्र में जो परिवर्तन हो रहे हैं, उनसे केवल स्वदेशीकरण के माध्यम से ही निपटा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, यह भी मैं कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार मैं आप सबके बीच आया हूं। तो उससे संबंधित कुछ बातें भी मैं आपके सामने रखना चाहूंगा। सबसे पहले मैं हमारी सेनाओं के साथ–साथ आप सभी औद्योगिकी योद्धाओं को भी हार्दिक बधाई देता हूं।

संपादकीय

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां—फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना—सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार—बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चर्चाओं में संभव नहीं है।अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार—बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत—पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे।ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर—दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग—थलग कर रहे हैं।पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीजा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं। वहीं चीन पर भी अमेरिका ने टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी किसानों से सोयाबीन खरीद को रोक लगाकर अमेरिका की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चोट की है। इसके अलावा चीन रेयर अर्थ यानी धरती के दुर्लभ खनिजों को भी अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। ये ऐसे खनिज हैं, जिनके बिना सेमीकंडक्टर, हथियार सिस्टम, गाड़ियां या स्मार्टफोन तक नहीं बनाए जा सकते। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को इन दुर्लभ खनिजों की लगातार जरूरत है। चीन के अलावा और जिन देशों में इनकी उपलब्धता है, वहां तो अमेरिकी दबाव काम कर जाता है, मगर चीन के साथ ट्रंप को आमने—सामने समझौता करना पड़ेगा। चीन की भी व्यापार, रोजगार आदि की अपनी समस्याएं हैं, जो अमेरिकी टैरिफ से और बढ़ी हैं। लिहाजा दोनों देश अब व्यापार के मुनाफे को अहमियत देते हुए किसी बड़े समझौते पर राजी हो सकते हैं।

बिहार में मुस्लिम उप मुख्यमंत्री जनाब वहां तो मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुके हैं

शकील अख्तर

मगर क्या इस पद से आज जो मुस्लिम के सामने समस्याएं बना दी गई हैं उनका कोई हल होगा? समस्याएं वास्तविक हैं और यह पद एक भावनात्मक रीलिफ। केवल एक जबर्दस्ती का गोल दे दिया कि इसे हासिल करके बताओ। उसका कोई मतलब नहीं है। मुस्लिम को राजनीतिक रूप से सचेत होने की बहुत जरूरत है। जज्बाती सवालों से दूर होने की। जो मुस्लिम के नाम, जबान, कपड़े, त्यौहार, खाने—पीने सब को संदेह के घेर में लाने की कोशिश कर रहे हों वे अचानक इस बात के लिए फिक्रमंद हो गए कि बिहार में महागठबंधन मुस्लिम के लिए उप मुख्यमंत्री पद की घोषणा नहीं कर रहा है! इसमें सबसे ज्यादा दुरूख और फिक्र की बात यह है कि मुस्लिमों का एक हिस्सा इस दुष्प्रचार में फंस रहा है। वे भी ऐसी बातें करने लगे जैसी बीजेपी, प्रशांत किशोर, चिराग पासवान, नीतीश कुमार की पार्टी, गोदी मीडिया, भक्त वगैरह वगैरह कर रहे हैं। मुस्लिम यह नहीं सोच रहा कि यह हमारे अचानक हमदर्द कहां से बन गए? और अगर बन गए हैं तो पहले उन गिरिराज सिंह से क्यों नहीं पूछ रहे जो मुस्लिम को नमकहराम कह रहे हैं। पाकिस्तान तो वे हमेशा से भेजते रहते हैं! मुस्लिम को यह सोचना चाहिए कि उप मुख्यमंत्री एक इतनी सामान्य, स्वाभाविक चीज है जो तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने पर उनके समुदाय को मिलना ही है। मगर क्या इस पद से आज जो मुस्लिम के सामने समस्याएं बना दी गई हैं उनका कोई हल होगा? समस्याएं वास्तविक हैं और यह पद एक भावनात्मक रीलिफ। केवल एक जबर्दस्ती का गोल दे दिया कि इसे हासिल करके बताओ। उसका कोई मतलब नहीं है। मुस्लिम को राजनीतिक रूप से सचेत होने की बहुत जरूरत है। जज्बाती सवालों से दूर होने की। अफसोस मुस्लिम का एक हिस्सा इस उपमुख्यमंत्री पद के झमेले में फंसकर कांग्रेस और आरजेडी से ऐसे सवाल पूछ रहा है जैसे बीजेपी और उसके समर्थक। ऊपर जो नाम हमने लिखे चिराग, प्रशांत किशोर, नीतीश यह सब प्रच्छन्न रूप से बीजेपी ही हैं। ओवैसी भी इसमें शामिल हैं। उनकी पार्टी के लोग और ज्यादा तुर्शी से सवाल पूछ रहे हैं। हमने ऊपर यह भी लिखा कि तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने के साथ एक मुस्लिम उप मुख्यमंत्री भी बनेगा। यह एक इतनी बड़ी सच्चाई है जो सबको मालूम है। सवाल उठाने वाले भाजपा और उसके सहयोगियों को भी। मगर क्या वे ऐसा चाहते हैं? कभी नहीं! फिर क्यों सवाल उठा रहे हैं? बस यही मुस्लिमों को सोचना चाहिए। वे इसलिए एक नान इशु को इशु बना रहे हैं कि इसी के जरिए वे मुस्लिम के खिलाफ और माहौल बना सकते हैं। और मुस्लिम के खिलाफ माहौल बनाने का मतलब उसके जरिए हिन्दुओं का ध्रुवीकरण। वही पुराने झूठ का राग फिर से अलापना कि देखो कांग्रेस आरजेडी मुस्लिम तुष्टिकरण कर रहे हैं। मुस्लिम की पार्टी है यह। किसी वर्ग विशेष की पार्टी बनाकर दूसरे बड़े समुदाय को भड़काना इनका पुराना खेल है। यूपी में सपा को खुलेआम यादवों की पार्टी कहा जाने लगा है। बिहार में इतना खुलकर यादवों के खिलाफ नहीं बोला जा रहा है मगर मुस्लिम को उनके साथ टेग करके हिन्दुओं के दूसरे वर्गों को भड़काया जा रहा है। एमवाय एक ऐसा ही नाम है जो मीडिया ने लालू के खिलाफ इस्तेमाल किया। एमवाय कहकर लिखकर बाकी लोगों को आरजेडी से दूर करने का प्रयास किया। इसलिए राहुल गांधी ने कहा कि हम गरीब सवर्णों के भी साथ खड़े हैं। आज के वक्त में सबसे बड़ी जरूरत झूठी धारणाओं से बचने और बचाने की है। अगर उप मुख्यमंत्री मुस्लिम को देंगे की घोषणा हो जाती तो अभी तक पूरा चुनाव एक नया टर्न ले चुका होता। यहां महागठबंधन ने राजनीतिक समझदारी का परिचय दिया। मगर उस हद तक मुस्लिम नहीं दे पाए। सिर्फ बीजेपी कहती तो वे समझ भी जाते कि इस पार्टी ने तो जो दो नेता मुस्लिम थे मुख्तार अब्बास नकवी और शाहनवाज हुसैन और जिनकी भाजपा भक्ति किसी भाजपा के नेता से कम नहीं थी उन्हें भी मंत्री पद तो छोड़िए सांसदी से भी हटा दिया। बिहार में एक मुस्लिम को टिकट नहीं दिया। वह मुस्लिम उप मुख्यमंत्री का मुद्दा केवल इसलिए उछाल रही है कि अगर दबाव में आकर घोषणा कर दें तो तुष्टिकरण का राग फिर से शुरू और अगर नहीं करें तो मुस्लिम को भड़काना शुरू कि तुम तो किसी गिनती में ही नहीं हो। मगर बीजेपी के सुर में सुर मिलाकर जिस तरह ओवैसी की पार्टी इस मुद्दे को तूल देने में जुटी उससे मुस्लिम कु छ हद तक बहक गया। मुस्लिम को यह समझना चाहिए कि ओवैसी अभी सबसे आगे आगे मोदी का प्रचार करने वर्ल्ड टूर पर गए थे। इस झूठ का पर्दाफाश हो चुका है कि दुनिया को भारत की स्थिति बताने के लिए विभिन्न डेलिगेशन जिनमें ओवैसी के जाने का सबसे ज्यादा प्रचार किया गया, गए थे। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने आपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ लेना शुरू करके बता दिया कि विभिन्न देशों में डेलिगेशन पहुंचाने का उद्देश्य भारत की नहीं अपनी छवि बनानी थी। ओवैसी मोदी को ही राजनीतिक लाभ पहुंचा रहे थे। और अब बिहार में मुस्लिम बहुल इलाके सीमांचल से अपनी पार्टी के 25 से ज्यादा उम्मीदवार लड़वाकर वे केवल महागठबंधन को नुकसान पहुंचाने की ही कोशिश कर रहे हैं। पिछली बार 2020 में उनकी पार्टी ने पांच सीटें जीती थी। वहां 36 साल और 16 साल से जीत रहे कांग्रेस के उम्मीदवारों को हरा दिया। मगर उससे भी खास बात यह रही कि जीते हुए 5 में 4 विधायक बीजेपी समर्थित नीतीश के साथ चले गए। तो मुस्लिम को ओवैसी को भी अच्छी तरह समझने की जरूरत है। उनकी जज्बाती तकरीरें मुस्लिम को अच्छी तो बहुत लगती हैं मगर उनकी वास्तविक समस्याओं के निरावरण के लिए उनमें कुछ नहीं होता है। केवल लफ्ज ही लफ्ज! भड़काई हुई भावनाएं ही भावनाएं ! मुस्लिम को आज क्या

चाहिए? सबसे पहले तो उसे 2014 से पहले के सामाजिक हालात चाहिए। और उसे ही नहीं सबको चाहिए। 2014 के बाद मुस्लिम पर तो अत्याचार बढ़े ही हैं दलित, पिछड़े आदिवासी पर भी बढ़े हैं। पहले प्रेम समावेश एक दूसरे के सम्मान का माहौल था। अब नफरत विभाजन एक दूसरे का उपहास अपमान का माहौल है। लींचिग जैसा शब्द पहले सुना भी नहीं था। मगर अब मुस्लिम दलित किसी पर भी कोई झूठा आरोप लगाकर सत्ता समर्थित भीड़ उसकी पीट—पीट कर हत्या कर सकती है। यूपी में पुलिस इंसपेक्टर सुबोध कुमार सिंह की लीचिंग हुई, हरियाणा में छात्र आर्यन मिश्रा की। बाकी दलित मुस्लिम पिछड़ों आदिवासियों की तो लंबी फेहरिस्त है। इनके अलावा दूसरों की भी जो समाज में ऊंचा स्थान रखते हैं मगर कहीं न कहीं कोई भी समाज दूसरे से कमजोर होता है तो उसका नंबर भी लग जाता है कि लिस्ट छोटी नहीं है। यह समाज की देश की मूल समस्या है। आपस में एक दूसरे से नफरत करता, लड़ता समाज खोखला हो जाता है। मगर बीजेपी को इसकी चिंता नहीं है। उसे इसी में वोट दिखाई देता है। आज बिहार का चुनाव पूरे देश के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर मोदी जीत गए तो फिर नफरत और विभाजन की राजनीति और तेज होगी। इसके बाद बंगाल है वहां भी फिर वे वही हिन्दू—मुस्लिम, घुसपैठिए का सवाल ही लेकर जाएंगे। और अगर हार गए तो सीधा मैसेज यह जाएगा कि यह चुनाव महागठबंधन ने रोजगार, सरकारी नौकरी के मुद्दे पर मोदी से छीन लिया। फिर इसके बाद बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी जहां अगले साल चुनाव होना है वहां नफरत विभाजन के मुद्दे कमजोर हो जाएंगे। देश को इस समय इसी की जरूरत है कि जनता से जुड़े असली मुद्दों पर सरकार बात करे। हवा हवाई बातों पर नहीं कि 50 साल पहले यह क्यों हुआ था और 500 साल पहले क्यों? इसलिए उप मुख्यमंत्री का सवाल बेमानी है। खास तौर से उस बिहार में जहां आज से पचास से ज्यादा साल पहले मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुका हो। अब्दुल गफूर 1973 में बिहार के मुख्यमंत्री बन गए थे।

रूसी तेल कंपनियों पर ट्रम्प के नवीनतम प्रतिबंध ने भारत को बचने का रास्ता दिया

के रवींद्रन

मास्को के दृष्टिकोण से, ये प्रतिबंध 2022 के बाद से उसके सबसे सफल आर्थिक धुरी में से एक को उलटने का खतरा पैदा करते हैं। भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का मुख्य आधार बन गए हैं, जिससे यूरोपीय मांग में आई कमी की भरपाई प्रभावी रूप से हो गई है। को लेकर आश्वस्त दिखते हैं कि भारतीय रिफाइनरियों में रियायती रूसी बैरल भरने के दिन, कम से कम अभी के लिए, समाप्त हो रहे हैं। जब से पश्चिमी प्रतिबंधों ने मास्को को अपने ऊर्जा निर्यात को पूर्व की ओर मोड़ने के लिए प्रेरित किया है, भारत रूस के सबसे भरोसेमंद ग्राहकों में से एक बनकर उभरा है, जिसने लाखों बैरल

विशेष रूप से, भारतीय बाजार में मात्रा और स्थिरता दोनों ही उपलब्ध थीं, जहां भुगतान अक्सर मैत्रीपूर्ण बिचौलियों के माध्यम से होता था। ऐसा लगता है कि बाजार ने दो प्रमुख रूसी तेल कंपनियों, रोसनेफ्टपीजेएससी और लुकोइल पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों का गणित पहले ही कर लिया है, और मास्को से मुंबई तक फैली ऊर्जा आपूर्ति लाइनों पर इसके तत्काल और मध्यम अवधि के परिणामों का आकलन कर लिया है। कुछ ही घंटों में, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जो न केवल प्रतिबंधों के कड़े होने को दर्शाता है, बल्कि इस धारणा को भी दर्शाता है कि 2022 से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातकों में से एक भारत को अपनी खरीद कम करनी पड़ सकती है या निलंबित भी करनी पड़ सकती है। व्यापारी और विश्लेषक, अक्सर आधिकारिक पुष्टि से पहले, इस बात यूराल क्रूड को रियायती दरों पर खरीदा है। इस पुनर्संरेखण ने भारत को मुद्रास्फीति के दबावों को प्रबंधित करने और घरेलू ईंधन की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने में मदद की है, साथ ही पश्चिमी बाजारों से अलगाव के बीच रूस को एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा भी प्रदान की है। लेकिन नवीनतम प्रतिबंध यूक्रेन में युद्ध के लिए धन जुटाने हेतु रूसी राजस्व को कम करने के वाशिंगटन के अभियान में एक कठिन दौर का संकेत देते हैं। रूस के ऊर्जा परिसर के दो स्तंभों को लक्षित करके, अमेरिका प्रतीकात्मक प्रतिबंधों से आगे बढ़कर मास्को के तेल व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र में पहुंच गया है। इसका प्रभाव भारतीय कॉर्पोरेट गलियारों में पहले से ही दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन सहित प्रमुख रिफाइनर वैकल्पिक स्रोतों की खोज कर रहे हैं और प्रतिबंध व्यवस्था में उलझने से बचने के लिए रूस से नए कच्चे तेल की खरीद को रोकने की तैयारी कर रहे हैं। इस कदम से भारतीय रिफाइनर मुश्किल में पड़ गए हैं। पिछले दो वर्षों में, रूसी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो यूक्रेन युद्ध से पहले 2 प्रतिशत से भी कम था, जो एक नाटकीय वृद्धि है। आर्थिक पहलू आकर्षक थेरूभारी छूट, छाया बेड़े के माध्यम से सस्ता माल ढुलाई, और गैर—डॉलर तंत्र के माध्यम से भुगतान ने रूसी बैरल को अप्रतिरोध्य बना दिया। लेकिन अब, अनुपालन संबंधी चिंताएं गंभीर हो गई हैं। पश्चिमी बैंकों, बीमा कंपनियों और शिपिंग फर्मों के साथ जुड़े रिफाइनर ब्लैकलिस्ट होने या वैश्विक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच खोने का जोखिम नहीं उठा सकते। भले ही भारतीय रिफाइनर तकनीकी रूप से बिचौलियों के माध्यम से खरीदारी करते हों, प्रतिबंधों के बढ़ते दायरे के कारण यह गारंटी देना मुश्किल हो जाता है कि माल ब्लैकलिस्टेड संस्थाओं से मुक्त है। इस नाजुक स्थिति को भांपते हुए, वैश्विक तेल बाजार ने लगभग तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की। घोषणा के एक दिन के भीतर ही ब्रेंटक्रूड वायदा 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। व्यापारियों का तर्क है कि रूस नए खरीदारों की तलाश करेगा, शायद चीन में या अस्पष्ट माध्यमों से, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थायी व्यवधान एशिया में उपलब्धता को प्रभावित करेगा। भारत, जो अपनी 85 प्रतिशत से ज़्यादा कच्चे तेल की जरूरत का आयात करता है, के लिए रूसी आयात में मामूली गिरावट भी घरेलू कीमतों, आयात बिलों और मुद्रास्फीति के दबाव में इजाफा कर सकती है। साथ ही, नई दिल्ली एक बार फिर खुद को कूटनीतिक संकट में पाता है। एक तरफ मास्को के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें रक्षा, ऊर्जा और परमाणु सहयोग शामिल हैं। दूसरी तरफ अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ उसकी गहरी होती आर्थिक और तकनीकी भागीदारी है। ताजा प्रतिबंध, हालांकि सीधे तौर पर भारत पर लक्षित नहीं हैं, ऐसे विविधीकरण को लगभग अपरिहार्य बना देते हैं। साउथ ब्लॉक के अधिकारियों को अब व्यावहारिकता और सिद्धांत के बीच संतुलन बनाना होगा, ताकि कूटनीतिक टकराव पैदा किए बिना ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश की सबसे बड़ी निजी रिफाइनर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक अनोखी दुविधा का सामना कर रही है। व्यापक वैश्विक परिचालन और अमेरिकी व यूरोपीय वित्तीय प्रणालियों से जुड़े होने के कारण, वह अतिरिक्त प्रतिबंधों का जोखिम नहीं उठा सकती। यही तर्क उन सरकारी संस्थाओं पर भी लागू होता है जो कच्चे तेल के कार्गो और टैंकरों के लिए पश्चिमी बीमा कं पनियों पर निर्भर हैं। भले ही रुपये, दिरहम या युआन के माध्यम से भुगतान के रास्ते खुले रहें, प्रतिबंधों का दायरा इतना बढ़ गया है कि रसद नई रुकावट बन सकती है। रूसी तेल ले जाने वाले जहाजों को बंदरगाह तक पहुंच से वंचित किया जा सकता है, बीमा कवरेज में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, या अगर वे रोसनेफ्ट या लुकोइल से जुड़े हैं तो उन्हें सीधे काली सूची में डाला जा सकता है। इससे रूसी कच्चा तेल न केवल राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो सकता है, बल्कि परिचालन की दृष्टि से भी अव्यावहारिक हो सकता है। मास्को के दृष्टिकोण से, ये प्रतिबंध 2022 के बाद से उसके सबसे सफल आर्थिक धुरी में से एक को उलटने का खतरा पैदा करते हैं। भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का मुख्य आधार बन गए हैं, जिससे यूरोपीय मांग में आई कमी की भरपाई प्रभावी रूप से हो गई है। विशेष रूप से, भारतीय बाजार में मात्रा और स्थिरता दोनों ही उपलब्ध थीं, जहां भुगतान अक्सर मैत्रीपूर्ण बिचौलियों के माध्यम से होता था। उस मांग का एक हिस्सा भी खोने पर रूस को अपने तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए भारी छूट देने या छोटे बिचौलियों के एक जटिल जाल का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। लंबे समय में,इससे लाभप्रदता कम हो सकती है और रूस का ऊर्जा क्षेत्र मुख्यधारा के वाणिज्य से और अलग—थलग पड़ सकता है। भारत के लिए, तात्कालिक प्रश्न यह है कि इस अंतर को कैसे पाटा जाए। मध्य पूर्वी आपूर्तिकर्ता, विशेष रूप से सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात, बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का अवसर देख सकते हैं। लेकिन उनके बैरल महंगे हैं, और ओपेक़ के तहत उत्पादन कोटा अभी भी कड़ा प्रबंधन कर रहा है। महंगे कच्चे तेल स्रोतों की ओर वापसी भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा सकती है, रुपये को कमजोर कर सकती है और राजकोषीय प्रबंधन पर दबाव बढ़ा सकती है। ऐसे समय में जब वैश्विक मुद्रास्फीति पूरी तरह से कम नहीं हुई है और ब्याज दरें ऊंची बनी हुई हैं, यह भारत के लिए एक अप्रिय घटनाक्रम है। धारणा में एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव भी है। पिछले दो वर्षों में रूसी कच्चे तेल के लिए भारत की निरंतर मांग ने वैश्विक ऊर्जा मानचित्र को चुपचाप बदल दिया है, जिससे नई दिल्ली को एक खरीदार के रूप में अधिक लाभ मिला है। प्रतिबंधों का झटका अस्थायी रूप से उस लाभ को कम कर सकता है, जिससे भारत मध्य पूर्वी और अफ्रीकी ग्रेड के भीड़भाड़ वाले बाजार में वापस आ सकता है। रिफाइनरों को अपने मिश्रण को पुनरू अंशांकित करना होगा, अनुबंधों पर फिर से बातचीत करनी होगी, और संभवतरू वैकल्पिक कच्चे तेलों के विभिन्न सल्फर और घनत्व प्रोफाइल के अनुरूप रिफाइनरी संचालन को पुनर्गठित करना होगा। ऐसे तकनीकी समायोजन महंगे और समय लेने वाले होते हैं। हालांकि, एक तर्क यह भी है कि बाजार जरूरत से ज़्यादा प्रतिक्रिया दे रहा हो सकता है। कु छ ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि रूस से सभी तेल प्रवाह बाधित नहीं होंगे। वे बताते हैं कि रोसनेफ्ट और लुकोइल सहायक कंपनियों और व्यापारिक शाखाओं के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से काम करते हैं, जिनमें से कई का नाम सीधे तौर पर प्रतिबंध सूची में नहीं है। अभी भी कुछ कानूनी अस्पष्ट क्षेत्र हो सकते हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल भारत पहुंचता है, खासकर यदि भुगतान अमेरिकी डॉलर से बचते हैं और शिपमेंट गैर—पश्चिमी वाहकों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं।

देश में दीपावली के मेले में भारतीय रेल झमेले में

अजय दीक्षित

देश में 2025 आते आते 145 करोड़ आबादी चलते यातायात संसाधनों का ये हाल होगा शायद ही किसी ने सोचा होगा । इस बात की गम्भीरता इससे समझिए कि दीपावली पर भारतीय रेलवे ने विशेष रूप से 12000 रेलगाड़ियां चलाई हैं ताकि लोग अपने घरों पर पहुंचकर दीपावली मना सके। केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने प्रतिदिन नई दिल्ली स्टेशन पहुंचकर खुद पूरे रेल विभाग का नेतृत्व किया है। बताया जाता है कि रेल मंत्री ने अस्थाई रूप से निवास भी रेलवे स्टेशन के विश्राम गृह में कर लिया है और यह सिलसिला अभी तीन दिन और चलेगा । उल्लेखनीय है कि 18 अक्टूबर से प्रतिदिन पांच करोड़ यात्री देश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर आ जा रहे हैं। जिसमें बिहार जाने वाली ट्रेनों में तो पैर रखने की जगह नहीं है। ब्रिटिश राज्य में भारत यात्री रेल गाड़ी 1858 यानी अब से150 वर्ष से पहले शुरू हुई थी।1905 आते आते ब्रिटिश ने 45000 किलो मीटर रेल लाइन स्थापित कर दी थी। आजादी के समय यह लगभग एक लाख किलो मीटर के आसपास थी तत्कालीन समय में पाकिस्तान,बांग्लादेश भी शामिल था। आजाद भारत को 67000 किलोमीटर रेलवे मिला।अब यह संख्या 140000 किलोमीटर है।बताया जाता है कि पूरे भारत में आठ जोन में बटा रेलवे 2500 से अधिक छोटे बड़े स्टेशन हैं। रेलवे के पास 289000 मॉल बाहक कोच हैं और 75000 से अधिक यात्री कोच हैं।13 लाख कर्मचारी वाला भारतीय रेल विश्व का सातवां सबसे बड़ा विभाग है। लेकिन आबादी विस्फोट ने इन सुविधाओं को भी नाप कर रख दिया है। नईं दिल्ली स्टेशन पर एक दिन में लाखों यात्रियों का आवागमन है ।आम तौर पर प्रतिदिन पूरे देश में ढाई करोड़ लोग सफर करते हैं। मॉल ढुलाई और यात्री किराए से प्रतिवर्ष 2.65 लाख करोड़ रुपए की आय होती है जबकि शुद्ध मुनाफा 3250 करोड़ होता है क्योंकि रेल परियोजना,पर खर्च किया जाता है। भारतीय रेल तीन प्रकार की है ब्रॉड गेज, मीटर गेज, नैरो गेज। अभी रेल वे ने देश सभी स्टेशनों का नवीनीकरण किया है जिसमें भोपाल का कमलापति रेलवे स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर विकास किया है।अब चेन्नई, कोलकाता, मुंबई सीएसटी, सियालदाह स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर विकास किया जा रहा है। दिल्ली चेन्नई की तीसरी लाइन स्थापित की जा रही है। जबकि दिल्ली मुंबई बायां अहमदाबाद, सूरत, बडौदा,को चौथी लाइन भी विकसित किया गया है। देश में 200 से अधिक बंदे भारत, ट्रेन चलाई जा रही है। रेल वे प्रतिदिन 12000 से अधिक यात्री ट्रेन चला रहा है । एक ट्रेन में 24 से 26 बोगी होती है। अधिकतर रेलगाड़ियां में पेंट्री कार होती हैं। जिसमें यात्रियों को ताजा बना हुआ खाना 80 रुपए में सप्लाई किया जाता है। भारत का रेल विभाग सबसे बड़ा महकमा है। इसको एक कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, बोर्ड अध्यक्ष, सदस्य, रेलवे जोन में सीजीएम, तकनीकी मुख्य अभियंता,सहायक, कार्यपालन यंत्री, अंत में सेक्शन ऑफिसर होता है ।

बिहार में क्या हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे?

विवेक शुक्ला

बिहार में विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखों की घोषणा कर दी हैकृ6 और 11 नवंबर को मतदान होगा, और नतीजे 14 नवंबर को आएंगे।

यह चुनाव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो—तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शाह का दावा है कि राजग न केवल पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा, बल्कि घुसपैठियों को राज्य की पवित्र धरती से बाहर भी करेगा।

सीमांचल पर विशेष ध्यान रू अमित शाह का फोकस इस बार सीमांचल (पूर्वोत्तर बिहार) के नौ जिलों पर है, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम तैनात की है। उनकी रणनीति साफ है राजद और एमआईएम के गढ़ में कमल खिलाना। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में राजग के लिए 160 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। सीमांचल में घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, जहां मुस्लिम आबादी काफी है और घुसपैठ हिंदुओं के लिए समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हिंदू पर्वों और त्योहारों पर पथराव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसे शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में घुसपैठियों के वोटर लिस्ट में शामिल होने के मुद्दे को उठाया था। शाह और मोदी ने कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के जवाब में घुसपैठियों के मताधिकार को मुद्दा बनाया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 45 लाख पुराने मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

भाजपा के तरकश में कई तीर रू भाजपा केवल घुसपैठ के मुद्दे पर निर्भर नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर के बाद बिहार में मां जानकी मंदिर का निर्माण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 पये का वितरण, और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार जैसे मुद्दे भी अभियान का हिस्सा हैं। यह चुनाव भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए सामान्य नहीं है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के बीच यह चुनाव राजग के लिए बड़ी परीक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वैश्विक दबावों का सामना करने की सरकार की दृढ़ता ने भारत को गर्व का विषय बनाया है। सवाल यह है कि क्या मोदी बिहार के मतदाताओं पर अपना जादू चला पाएंगे? मोदी और शाह का बिहार में दबदबारू बिहार में भले ही राजग के बैनर तले चुनाव लड़ा जा रहा हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह मोदी और शाह का चुनाव है। 2014 से अब तक भाजपा का सफर मोदी युग के नाम से जाना जाता है। यह केवल इसलिए नहीं कि भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ है, बल्कि इसलिए भी कि विश्व ने भारत को मोदी के भारत के रूप में देखना शुरू किया है। मोदी का व्यक्तित्व मेहनत, कुशल टीम और ठोस नियोजन का परिणाम है। 75 वर्ष की आयु में भी वह अपनी रणनीतिक समझ और संगठनात्मक कौशल से सबको प्रभावित करते हैं।

मोदी ने विश्वास निर्माण का अनूठा प्रयोग किया है। 1985—1990 के बीच गुजरात में भाजपा के लिए काम करते हुए उन्होंने और अमित शाह ने पहली बार अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया। तब से शाह हर चुनाव में मोदी की जीत के शिल्पकार बने हैं। बिहार में शाह की रणनीति बिहार में एक बार फिर अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों में उनकी रणनीति की सफलता देखी जा चुकी है। बिहार में भी वह सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रहे हैं, जिसमें जातिगत समीकरणों को साधना शामिल है। नए चेहरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है, और मुद्दों व नारों को अंतिम रूप दे दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करना, और देशव्यापी जाति सर्वेक्षण जैसे मुद्दे जोर—शोर से उठाए जाएंगे।

भाजपा ने 40 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी हैं और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हैं। मंदिर और मंडल दोनों मुद्दों को साथ लेकर चलने में शाह की विसनीयता स्थापित है। अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और नरेंद्र मोदी की रणनीतिक समझ बिहार में राजग की जीत की कुंजी है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश तक शाह ने संगठन को मजबूत करने का काम किया है। बिहार में क्या वह हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे? यह समय बताएगा।

राम मंदिर पर हमले की साजिश का ताना-बाना बुन रहा था अदनान

लखनऊ, (संवाददाता)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किया गया आईएस का संदिग्ध आतंकी अदनान राम मंदिर समेत प्रदेश के कई हिंदू धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की फिराक में था। इसी वजह से दिल्ली भेजी गई एटीएस के अधिकारियों की टीम बीते करीब 48 घंटे से उसके मंसूबों का पता लगाने में जुटी है। बता दें कि अदनान को एटीएस ने हाईकोर्ट के जज को धमकी देने के आरोप में पिछले साल गिरफ्तार था, हालांकि वह करीब 5 महीने के बाद जेल से छूट गया था। भोपाल निवासी अदनान ने बीते वर्ष जून माह में वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराने वाले हाईकोर्ट के जज रवि कुमार दिवाकर को धमकी दी थी। उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जज की फोटो पोस्ट करने के साथ लाल रंग से काफिर लिखा था। साथ ही, उसने अंग्रेजी में लिखा था कि इस्लाम का

खून हलाल है, उन लोगों के लिए जो दीन के लिए लड़ रहे हैं। जज को धमकी देने के मामले के बाद हरकत में आई एटीएस ने भोपाल से दबोच लिया था, लेकिन वह करीब 5 माह बाद जमानत पर छूट गया और भोपाल जाकर जिहादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने लगा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की नजर पड़ने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी सूचना मिलते ही एटीएस की टीम को तत्काल शनिवार को दिल्ली भेजा गया, जो लगातार अदनान से पूछताछ कर रही है।

धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने से नाराज

एटीएस के अधिकारी लगातार उससे यूपी के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने के मंसूबों के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। अब तक जांच में सामने आया है कि वह मुस्लिमों और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने को लेकर खासा नाराज है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह कितनी बार यूपी आया था और किन शहरों में गया था।

दरअसल, सीरिया में बैठे खलीफा द्वारा उसे भेजे गए कई वीडियो में राम मंदिर समेत यूपी के कई धार्मिक स्थलों के जिक्र ने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। बता दें कि आगामी 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में राम मंदिर के धजारोहण कार्यक्रम में हिस्सा लेने आ रहे हैं। इस वजह से एटीएस खास सतर्कता बरतते हुए उसके मंसूबों का पता लगाने में जुटी है।

अनियंत्रित होकर तालाब में गिरी बैलगाड़ी, पिता-पुत्र की डूबकर मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बलरामपुर में सोमवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां बालू भरने जा रही बैलगाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर गहरे तालाब में जा गिरी। हादसे में पिता–पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों बैलों ने भी तालाब में डूबकर दम तोड़ दिया। घटना ललिया थाना क्षेत्र के मदरहवा गांव की है। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह करीब 6.30 बजे मोतीपुर निवासी बनिया (50) अपने पुत्र दीपक कुमार (25) के साथ बैलगाड़ी से पड़ोस के गांव से बालू भरने जा रहे थे। मदरहवा के पास बैलगाड़ी का पहिया फिसल गया। इससे बैलगाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे तालाब में गिर गई। पिता–पुत्र बैलगाड़ी सहित तालाब में जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो भागकर पहुंचे। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया। करीब दो घंटे बाद पिता–पुत्र मिले। लेकिन, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उधर, बैलों ने भी पानी के अंदर दम तोड़ दिया।

एक पल में उजड़ गया पूरा परिवार

खबर मिली तो घर में कोहराम मच गया। घरवाले रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने बताया कि बनिया मेहनतकश किसान था। वह अक्सर बैलगाड़ी से मिट्टी और बालू ढोता था। दीपक इकलौता पुत्र था। वह पिता के काम में मदद करता था। घटना से पूरा परिवार उजड़ गया। तहसीलदार विश्व दीपक त्रिपाठी ने बताया कि मौके पर नायब तहसीलदार व राजस्व कर्मियों की टीम पहुंची है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

विद्यार्थियों के लिए गीता पढ़ना सबसे अधिक जरूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। आज के युवा अपने भविष्य की चिंता में वर्तमान को खराब कर रहे हैं। लोगों से अलग–थलग रहना पसंद करने लगे हैं। परिजन के साथ समय बिताने की जगह फोन पर अधिक वक्त बिता रहे हैं। इससे तनाव ग्रस्त हो रहे हैं। इन समस्याओं का समाधान भगवत गीता में है। गीता सुनने और पढ़ने से तनाव कम होता है। विद्यार्थियों के लिए गीता पढ़ना सबसे अधिक जरूरी है। ये बातें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में कहीं। जीयो गीता परिवार की ओर से रविवार शाम चार बजे विवि के राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में गीता परिचर्चा हुई। महाराज ज्ञानानंद ने गीता के महत्व को समझाया। कहा कि आज कल मांएं दो साल के बच्चों को ही फोन चलाना सिखाना शुरू कर देती हैं। फिर बच्चे को लत लग जाती है। मां बच्चे की पहली शिक्षक होती है। अगर शुरू में ही वे ध्यान दें तो डॉक्टर और संतों के पास जानने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र में युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में मचा हड़कंप

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) क्षेत्र में शनिवार की रात उस समय हड़कंप मच गया जब मामपुर बाना किशन कट के पास एक युवक घायलावस्था में पड़ा मिला। रात के लगभग उसी समय स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी थाना बीकेटी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए 100 सैय्या अस्पताल साढामऊ ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए केजीएमयू रेफर कर दिया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।पुलिस जांच में मृतक की पहचान प्रदीप कुमार गौतम (उम्र लगभग 27 वर्ष) पुत्र मंगलू निवासी ग्राम मामपुर बाना, पोस्ट एवं थाना बीकेटी, लखनऊ के रूप में हुई है। मृतक के शरीर पर गोली लगने के दो निशान पाए गए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उसकी मौत गोली लगने से हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही उच्चाधिकारीगण और फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं ताकि हत्या की वजह और इसमें शामिल लोगों का पता लगाया जा सके।पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी और उनकी मौजूदगी में शव का पंचायतनामा भराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के इलाके में पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है और संभावित संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, जबकि परिजन गहरे शोक में हैं।बीकेटी पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी रंजिश या पुरानी दुश्मनी से जुड़ा प्रतीत होता है, हालांकि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपी या आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दलित युवक की पिटाई के मामले में थाना घेरा

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में दलित युवक की पिटाई से नाराज पासी समाज के लोगों ने रविवार को पूर्व सांसद रीना चौधरी के नेतृत्व में थाने का घेराव कर

प्रदर्शन किया। वे घटना में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने अब तक किसी नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। बीते दिनों सरोजनीनगर प्रधान संघ अध्यक्ष व सहिजनपुर के प्रधान सरवन रावत के भतीजे जतिन रावत की छह से अधिक लोगों ने पिटाई कर दी थी। जतिन रावत ने यहीं के नारायनपुर गांव में रहने वाले अक्षत सिंह, मोहित सिंह चौहान, विकास सिंह, प्रियांशु शर्मा, पवन सिंह, कल्लू सिंह और दो अज्ञात के खिलाफ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल व मारपीट का आरोप लगाया था। उधर, पुलिस का कहना है कि घटना के दो आरोपियों कल्लू सिंह और प्रियांशु शर्मा को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। प्रदर्शन की जानकारी पाकर एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा मौके पर पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों ने एसीपी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने मांग की। एसीपी के आश्वासन के बाद करीब डेढ़ घंटे तक चला प्रदर्शन समाप्त हो गया।

चलेंगी 11 छठ पूजा स्पेशल ट्रेनें, आसानी से मिल जाएगी बर्थ दिल्ली के लिए अब होगी आसानी

लखनऊ, (संवाददाता)। छठ पर यात्रियों की सुविधा के लिए गोरखपुर से 11 पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इन ट्रेनों के चलने से यात्रियों की राह आसान होगी। एनईआर के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह के मुताबिक, छठ पर्व पर भीड़ प्रबंधन के अंतर्गत यात्रियों की सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। दीपावली, भैया दूज व छठ पर्व को लेकर रेलवे स्टेशनों पर रविवार को भी भीड़ उमड़ी। बोगियां ठसाठस रहीं। लेकिन सोमवार से भीड़ का दौर थमना शुरू हो जाएगा। दो–तीन दिन बाद से दिल्ली की ट्रेनों में चेयरकार श्रेणी में कन्फर्म सीटें मिल रही हैं। लेकिन मुंबई की गाड़ियों में अभी भी वेटिंग है। यात्रियों के लिए कुछ राहत की खबर है। पिछले लंबे समय से दिल्ली व मुंबई की गाड़ियों में कन्फर्म सीटों की मारामारी चल रही थी। एक्स्ट्रा फेयर टिकट ईएफटी कटवाकर यात्रियों को सफर करना पड़ रहा था। लेकिन अब भीड़ कुछ कम होनी शुरू हो जाएगी। हालांकि रविवार को चारबाग, लखनऊ जंक्शन व अन्य रेलवे स्टेशनों

पर भीड़ रही। अगले दो से तीन दिन अभी कुछ भीड़ रहेगी, उसके बाद ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलेंगे। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली तेजस एक्सप्रेस की चेयरकार में शुक्रवार व शनिवार को 111, 19 सीटें खाली हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस की चेयरकार में बृहस्पतिवार को 397, शुक्रवार को 636 व शनिवार को 264 सीटें रिक्त हैं। शताब्दी एक्सप्रेस की चेयरकार में बृहस्पतिवार व शुक्रवार को क्रमशः 32, 228 सीटें खाली हैं। डबलडेकर एक्सप्रेस की चेयरकार में मंगलवार को 74, बृहस्पतिवार को 789 व शुक्रवार को 887 सीटें खाली हैं। हालांकि लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस जैसी वीआईपी ट्रेनों में अगले हफ्ते भी वेटिंग रहेगी। दूसरी ओर लखनऊ से मुंबई जाने वाली गोरखपुर पनवेल की स्लीपर, थर्ड एसी में पूरे हफ्ते वेटिंग 89 व 60 के बीच है। पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर व थर्ड एसी में 81 व 65 तक वेटिंग है।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति 5.0 के तहत थाना बिजनौर में महिला और बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत थाना बिजनौर पुलिस टीम ने आज, 26 अक्टूबर 2025 को थाना क्षेत्र ग्राम माती में एक विशेष महिला और बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें सुरक्षित और सशक्त समाज में अपनी भूमिका का एहसास कराना और कानूनी जागरूकता बढ़ाना है।इस कार्यक्रम में लगभग 60 से 70 महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित महिलाओं को बताया कि कौन से आचरण और व्यवहार अपराध की श्रेणी में आते हैं और ऐसे मामलों में कानून किस प्रकार उनकी मदद करता है। साथ ही साइबर सुरक्षा जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपाय समझाए गए। महिलाओं को चेताया गया कि ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें और ऑनलाइन लेन–देन में सतर्क रहें।कार्यक्रम में महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों कृ 1076, 1090, 112, 181, 1930, 102, 108 कृ के बारे में जानकारी दी गई ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके। इसके साथ ही थाना स्तर पर संचालित महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क और मिशन शक्ति केंद्र की सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। महिलाओं को इन केंद्रों से परामर्श और त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं और बच्चों को गुड टचदृबैड टच, पॉक्सो एक्ट और महिला उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने किया घाटों का निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। छठ महापर्व को देखते हुए रविवार सुबह नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शहर के विभिन्न घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए घाटों पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जलकुंभी निष्कासन, सुरक्षा व्यवस्था और साइनेज (मार्ग संकेतक बोर्ड) की उचित व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण की शुरुआत नगर आयुक्त ने लक्ष्मण मेला घाट से की, जहां उन्होंने छठ पूजा के लिए बनाए जा रहे मंचों, सुरक्षा बैरिकेडिंग और सौंदर्यकरण से संबंधित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुगम वातावरण मिल सके। इसके बाद नगर आयुक्त कुड़िया घाट पहुंचे, जहां गोमती नदी में जलकुंभी की अधिकता देख उन्होंने तत्काल नाव के माध्यम से सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदी के जल को स्वच्छ और साफ बनाए रखने के लिए जलकुंभी को शीघ्रता से हटाया जाए। इसके साथ ही घाट क्षेत्र में लगाए जा रहे पौधों और प्रकाश व्यवस्था को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।मेहंदी घाट के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने घाट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में जमा कूड़े–कचरे पर नाराजगी जताई। उन्होंने सफाई की स्थिति को असंतोषजनक बताते हुए संबंधित अधिकारी और सफाई निरीक्षक को कड़ी चेतावनी दी तथा निर्देश दिया ।

फुटेज व तस्वीर के जरिये आरोपियों की पहचान का प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी के कार्यवाहक इंस्पेक्टर प्रदीप यादव व अन्य आठ पुलिसकर्मियों से झड़प के बाद और तस्वीर के जरिये पुलिस घटना में शामिल अन्य अज्ञात लोगों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा थाने के सामने प्रदर्शन

मारपीट के मामले में पकड़े गए पांचों आरोपियों को पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया। वहीं, फुटेज के लिए परिजनों को उकसाने वाली दो महिला समेत चार लोगों की तलाश जारी है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के मुताबिक पुलिस कर्मियों से मारपीट के आरोपी कैंट के नीलमथा निवासी राजाराम (46), विद्यानगर के अमन कुमार (21), तोपखाना निवासी अरविंद चटियार (28), कटहरी बाग निवासी पिंटू (25) व सुशांत गोल्फ सिटी के बरौना निवासी आनंद कुमार (25) को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। वारदात में शामिल 20 अज्ञात लोगों की पहचान के लिए पुलिस फुटेज और फोटो का सहारा ले रही है। इसी बीच मृतक अरुण कुमार की भतीजी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें कहा कि दो महिला और दो पुरुष उसके घर आए थे। उन लोगों ने खुद को एक चौनल का पत्रकार बताया।

जानकीपुरम पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत थाना जानकीपुरम पुलिस टीम ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के गंभीर मामले में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह कार्रवाई एक ऐसे मामले से जुड़ी है, जिसमें विपक्षियों द्वारा वादी के बहनोई को आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न के चलते आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया गया था।मामला वर्ष 2022 का है, जब मोतीझील कॉलोनी ऐशबाग निवासी राजकुमार गौतम ने थाना बाजारखाला में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि विपक्षियों ने उनके बहनोई से पैसे लिए थे, लेकिन वापस नहीं किए। पैसे मांगने पर आरोपियों ने उनके बहनोई को गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी दी, जिससे मानसिक रूप से आहत होकर उनके बहनोई ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। इस आधार पर थाना जानकीपुरम में मुकदमा संख्या 232ध्25 धारा 406, 504, 506, 306 भादवि और एससीध्एसटी एक्ट की धारा 3(2)(ट) के अंतर्गत शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।पुलिस ने विवेचना सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज को सौंपी और दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए। रविवार को थाना जानकीपुरम पुलिस टीम ने दबिश देकर पहले अभियुक्त संतोष कुमार शुक्ला पुत्र स्व. कृपाशंकर शुक्ला निवासी ग्राम मोहना, पोस्ट सेठमऊ, थाना सतरिख, जिला बाराबंकी को उसके घर से गिरफ्तार किया।

रबी सीजन के लिए प्रदेशभर में बीज और खाद की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित

लखनऊ, (संवाददाता)। रबी सीजन में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में फसलों का सुचारू रूप से आच्छादन सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के कृषि विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बात की जानकारी कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को दी।कृषि मंत्री शाही ने किसानों को आश्वस्त किया कि प्रदेश की योगी सरकार द्वारा रबी सीजन के लिए बीज और खाद की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है। उन्होंने बताया कि दलहन और तिलहन की फसलों के लिए उत्तर प्रदेश और भारत को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रदेश के 10 लाख से अधिक किसानों को ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से लॉटरी के तहत निःशुल्क मिनीकिट उपलब्ध कराया जा रहा है। शेष किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर किसान कल्याण केंद्रों (उप्र कृषि विभाग के बीज गोदाम) से प्रमाणित उत्कृष्ट बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें गेहूँ, चना, मसूर, जौ, राईध्सरसों और तोरिया जैसी प्रमुख फसलें शामिल हैं।कृषि मंत्री ने प्रत्येक बीज की दर और अनुदान की जानकारी देते हुए कहा कि गेहूँ (सामान्य प्रजातियाँ) और डीबीडब्ल्यू के लिए विक्रय दर 4680 रुपये प्रति क्विंटल है, जिस पर 2340 रुपये का सरकारी अनुदान और 2340 रुपये कृषक अंश है। इसी तरह, राईध्सरसों और तोरिया के प्रमाणित बीजों पर 50 प्रतिशत अनुदान लागू है। चना, मसूर और जौ बीजों के लिए भी समान नियम हैं, जिससे किसानों को उनकी लागत का केवल आधा अंश ही वहन करना पड़ेगा।मंत्री ने किसानों से अपील की कि वे प्राप्त बीज का समुचित भण्डारण करें, सही तरीके से बोआई करें और पक्षियों तथा अन्य कृषक जीवों से बचाव के उचित उपाय करें ताकि बीज का अच्छा अंकुरण सुनिश्चित हो सके।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने योजनाओं की गति व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभागीय समीक्षा बैठक की

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के मंत्री ओम प्रकाश राजभर की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी एवं सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने मंत्री से भेंट कर आवश्यक दिशा–निर्देश प्राप्त किए।मंत्री राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य और योजनाएँ निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी की जाएं, ताकि आमजन को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सके।बैठक के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि अधिकांश कार्य पूर्णता की ओर हैं। इस पर मंत्री ने संतोष व्यक्त किया और कहा कि कार्यों की गति और पारदर्शिता में किसी भी स्तर पर

शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण अमृता सिंह को निर्देशित किया कि न्यूनतम 5 करोड़ की परियोजनाओं जैसे अस्पताल, कॉलेज, छात्रावास, सद्भावना मंडप और स्टेडियम के प्रस्ताव चारों जिलों से शीघ्र शासन को उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, एएमए जिला पंचायत को शासकीय धन का जनहित में सदुपयोग सुनिश्चित करने और गड्ढा मुक्ति अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया।पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों के पद रिक्त हैं, वहां शीघ्र नियुक्ति की जाए। ग्रामों में सफाई व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए और निजी क्षेत्र की सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए। मंत्री ने यह भी कहा कि घर–घर से कचरा संग्रहण अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाया जाए ताकि स्वच्छता मिशन में स्थायी और प्रभावी परिणाम प्राप्त हों।डीपीआरओ यतेन्द्र कुमार ने अवगत कराया कि जिले में 845 पंचायत भवन क्रियाशील हैं और पंचायत सहायकों की भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है। पिछले वर्ष के सभी भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं और केंद्रीय एवं राज्य वित्त आयोग की धनराशि का पारदर्शी ढंग से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), ओडीएफ प्लस, आरआरसी केंद्र, ई–रिक्शा संचालन, ओएसआर जनरेशन, संग्रहण शुल्क और सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव संबंधी प्रगति भी प्रस्तुत की। ध्वस्त चार सामुदायिक शौचालयों का पुनर्निर्माण कार्य और दो प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट चल रहे हैं।मंत्री ने अधिकारियों की समस्याओं को सुनने के बाद निर्देश दिए कि कार्यालयों के कुशल संचालन के लिए आवश्यक धनराशि जारी की जा चुकी है और सभी अधिकारी उपकरणों एवं सामग्रियों की खरीद सुनिश्चित करें। विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार का गतिरोध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण अमृता सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि गोस्वामी, सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार, एएमए जिला पंचायत श्याम बहादुर शर्मा, डीपीआरओ यतेन्द्र कुमार, अवर अभियंता विजय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाली 'यूनिटी रन' की रूपरेखा तय

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) भाजपा के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था बैठक पिहानी चुंगी स्थित डी ए वी स्कूल मे सम्पन्न हुई।बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर हरदोई विधानसभा में आयोजित होने वाली श्यूनिटी रनश् को सफल बनाने के लिए तैयारी की रूपरेखा तय की गई। बैठक मे विधानसभा यूनिटी रन प्रभारी पू जिलाध्यक्ष राजीव रंजन मिश्र ने कहा कि यह दौड़ देश की एकता, अखंडता और सरदार पटेल के योगदान को जन–जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। बैठक के दौरान श्रन फॉर यूनिटीश के मार्ग, समय, संयोजन और सुरक्षा–व्यवस्था पर चर्चा हुई। सभी विधानसभाओं में की जाएगी, जिसमें युवाओं, विद्यार्थियों, एनसीसी, एनएसएस जैसे संगठनों की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक बूथ स्तर पर सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि, संगोष्ठी, निबंधभाषण प्रतियोगिता, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

संयोजक अतुल सिंह ने बताया पार्टी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई कि वे दौड़ की व्यवस्थाओं का समुचित निरीक्षण करें और अधिक से अधिक स्थानीय नागरिकों, विशेषकर युवाओं को इसमें जोड़ें। तय किया गया कि विधायक, सांसद अभियान की नेतृत्व–भूमिका में रहेंगे। पदयात्रा के लिए चार पड़ाव बनाए जाएंगे, प्रत्येक पड़ाव पर सम्मान एवं प्रोत्साहन–कार्यक्रम होगा।बैठक का उद्देश्य सरदार पटेल के एकता एवं राष्ट्रनिर्माण–संदेश को प्रत्येक गाँव–नगर तक पहुँचाना था। साथ ही, श्आत्मनिर्भर भारतश, नशा–मुक्ति, स्वदेशी अपनाने जैसी शपथें कार्यक्रम का हिस्सा रहेंगी।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा मधुर,ब्लॉक प्रमुख धर्मवीर सिंह पन्ने, धनंजय मिश्रा, धर्मेन्द्र सिंह, शशांक सिंह, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी प्रबुद्ध वर्ग संयोजक अविनाश मिश्रा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष श्याम सिंह,अजीत उपाध्याय, देश दीपक दीक्षित, मण्डल अध्यक्ष दिनेश पाल वर्मा, मुकेश गुप्ता मौजूद रहे और तय किया गया कि अभियान को जन–आंदोलन की तरह सफल बनाना है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत कनौसा की छात्राओं को महिला पुलिस ने किया जागरूक

महिला थाना पुलिस कर्मियों ने मंगलवार को ष्मिशन शक्ति फेज 5.0' अभियान के तहत कनौसा कावेंट गर्ल्स इंटर कालेज मे जाकर वहां के छात्राओं व शिक्षिकाओं को सुरक्षा संबंधित जानकारी दिया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक प्रिया ने छात्राओं व शिक्षिकाओं को पंपलेट, पोस्टर के माध्यम से जागरूक करते हुए कहा कि मुसीबत के समय आप घबराये नहीं बल्कि छेडछाड करने वाले अराजक तत्वों से निपटे और समय रहते इसकी सूचना महिला सहायता केंद्र व स्थानीय पुलिस थानो व पुलिस चौकी पर दे।इसके अलावा इन महिला पुलिस कर्मियों ने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे बताया।वही विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के महत्व के बारे बताया।इस मौके पर महिला आरक्षी लक्ष्मी प्रजापति, जय श्री, कालेज की प्रधानाचार्य, शिक्षिका व छात्राएं मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

अपनी मांग को लेकर सौपा ज्ञापन

अयोध्या।कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत सराय बनौली में ब्राह्मण गौ रक्षक गोविंद मिश्रा द्वारा एक वीडियो जो की गोवंश को कुत्तों द्वारा नोची जा रही थी बनाए जाने पर आरोपी प्रधान ने बंधक बनाया था।इस संबंध में पीड़ित गोविंद मिश्रा स्थानीय थाने पर प्राथमिक की दर्ज करने की करने के लिए गया तो उसका प्राथमिक उसका फिर नहीं दर्ज किया गया जिसके चलते मंगलवार को राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के बैनर तले गौरी शंकर शर्मा मंडल प्रभारी अयोध्या ने विरोध जताया विरोध जताते हुए कहा कि आरोपी द्वारा पीड़ित ब्राह्मण को बंधक बनाना तथा पीठ कर छोटी उखाड़ने मोबाइल चीन की फिर आज तक नहीं दर्ज हुई है।जबकि डेढ़ महीने हो गए हैं इससे यही प्रतीत होता है कि पुलिस दबाव में आकर कार्य कर रही है।जिसे हम सभी बर्दाश्त नहीं करेंगे उसने बीकापुर थाना में तैनात पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाया कि आज डेढ़ महीने हो गए फिर भी एफआईआर नहीं दर्ज हुआ।अपनी मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के पदाधिकारियों ने ज्ञापन भी सौपा।इस मौके पर मंडल प्रभारी के अलावा जिलाध्यक्ष सुधीर तिवारी रायबरेली, अमित उपाध्याय जिला अध्यक्ष सुल्तानपुर,आचार्य भरत तिवारी के अलावा कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

छठ पूजा पर नदी किनारे जल देने गए युवक की गहरे पानी में जाने से हुई मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। छठ पूजा के दौरान एक युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह केराकत तहसील क्षेत्र के सरौनी पूरब पट्टी ताड़ी घाट पर हुई, जब युवक सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी में उतरा था। परिजनों के साथ घाट पर पहुंचे गोलू यादव, (20)जो पब्लिक इंटर कॉलेज का छात्र था, पानी में उतरते समय अचानक गहरे पानी में चले गए। उनका पैर फिसलने से वह डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। मृतक की पहचान सिहोली निवासी गोलू यादव पुत्र दुलार यादव के रूप में हुई है। यह घटना सुबह लगभग 5 बजे हुई, जब छठ पूजा के लिए घाट पर भारी भीड़ मौजूद थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। इंस्पेक्टर दीपेंद्र सिंह और सीओ रजत कुमार रंजन सहित पुलिस टीम ने तुरंत खोजबीन शुरू की गोताखोर लगातार युवक के शव की तलाश शुरू किया घंटों की कड़ी मेहनत के बाद घाटा से लगभग तीन किलो मीटर दूर युवक का शव पुलिस ने बरामद कर लिया । घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने भेज दिया है।इस संबंध में क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक ने बताया कि लड़के की आज सुबह पूजा के दौरान नदी में डूबने से मौत हुई है।परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं मिली है।शव का पंचायत नामा के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जायेगी।

1 करोड़ की MDMA सामग्री, 1.10 लाख नकद बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस ने मादक पदार्थ एमडीएमए बनाने और उसकी तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 300 ग्राम एमडीएमए, इसे बनाने की सामग्री जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब एक करोड़ रुपये है, 1.10 लाख रुपये नकद और एक चार पहिया वाहन बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ गिरेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन में स्वाट, गामा, एसओजी और थाना बरसठी की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। 27 अक्टूबर 2025 को रात करीब 10 बजे मुखबिर की सूचना पर थाना बरसठी क्षेत्र के ग्राम पाली स्थित उनके घर से तीनों अभियुक्तों को एमडीएमए बनाते हुए पकड़ा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 300 ग्राम निर्मित एमडीएमए, 1 किलोग्राम सोवा पाउडर, 15 किलोग्राम कास्टिक सोडा, 6 किलोग्राम ब्लैक पेपर और 500 ग्राम सफेद रैपर जैसी एमडीएमए बनाने की सामग्री मिली। बरामद सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अतिरिक्त, 1.10 लाख रुपये नकद, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी (रजि. नं. ⁇60 ई 9880) भी जब्त की गई। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर अभियुक्तों के खिलाफ थाना बरसठी में मु.अ.सं. –225⁇25 धारा 8⁇22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का मानना है कि इस गिरफ्तारी से जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगेगा। मामले का मंगलवार को खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने बताया कि पकड़े गए आरोपितो से पूछताछ में खुलासा हुआ कि इस गिरोह का मुख्य सरगना अभीत तिवारी है। अभीत तिवारी पहले भी 1 मार्च 2025 को गुरुग्राम के डीएलएफ थाना क्षेत्र से एमडीएमए मामले में जेल जा चुका है। इस गिरोह के अन्य सदस्य संदीप तिवारी, घनश्याम सरीज, लवीशंकर मिश्रा और संजय सिंह अभी भी जेल में बंद हैं। अभियुक्त अभीत तिवारी ने बताया कि उसे एमडीएमए बनाने का तरीका उसके चाचा संदीप तिवारी ने सिखाया था, जो एक केमिकल इंजीनियर है। अभीत ने स्वयं मैकेनिकल से पॉलीटेक्निक किया है। वह ज्यादातर एमडीएमए की सप्लाई मुंबई और हरियाणा में करता था, जबकि जौनपुर में भी कुछ खास व्यक्तियों को इसकी आपूर्ति करता था। ये जनपद में लगभग एक माह से सक्रिय थे। इनके कार्य करने का तरीका और कहा कहा बेचते थे इसकी जानकारी किया जा रहा है।

जायसवाल समाज ने मनाई कुलदेवता की जयंती, समाज को एकजुट करने का लिया संकल्प

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के सब्जी मंडी में स्थित आदि शक्ति संस्था ट्रस्ट द्वारा संचालित दुर्गा माता मंदिर में मंगलवार की शाम करीब 4 बजे जायसवाल समाज के कुलदेवता सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित समाज के लोगों ने कार्तवीर्य राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान जायसवाल समाज को संगठित कर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कुलदेवता के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि वे श्रीहरि विष्णु के 24वें अवतार थे। उन्होंने त्रिलोक विजयी रावण को हराया था और सात महाद्वीपों और ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त की। वे एक धर्मपरायण राजा थे। कार्यक्रम में समाज को एकजुट रखने के साथ–साथ सामाजिक बदलाव और सुधार के लिए अपने संकल्पों को दोहराया। सभी ने यह प्रण लिया कि वे समाज की प्रगति के लिए काम करेंगे और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सर्वेश जायसवाल, दिलीप जायसवाल, ध्रुव जायसवाल, राधेश्याम जायसवाल, अनूप जायसवाल, शिवशंकर जायसवाल, श्रेयश जायसवाल ईशु, दिलीप जायसवाल ध् साईं, दिलीप जायसवाल राजू, राजेंद्र जायसवाल, अरविंद जायसवाल, वेदप्रकाश जायसवाल, संजय जायसवाल, संदीप जायसवाल, दिनेश जायसवाल, राजीव जायसवाल, सुधीर कुमार जायसवाल, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल सहारा, रोहन जायसवाल, शुभांशु जायसवाल, अंकित जायसवाल, अमरनाथ जायसवाल, प्रशांत जायसवाल, गौरीशंकर जायसवाल राजू, आशीष कुमार जायसवाल, संजय जायसवाल, वेद प्रकाश बचाऊ गुप्ता, राधेश्याम जायसवाल, सुग्रीव जायसवाल, संजय जायसवाल मेडिकल, सुधीर जायसवाल शालू, संजय जायसवाल, दिवाकर जायसवाल, नितिन जायसवाल, रवि जायसवाल, राहुल जायसवाल समेत समस्त स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश बॉयज टीम क्वार्टर फाइनल में

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। सब जूनियर रोलबॉल नेशनल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश बॉयज टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपने पुल के सभी लीग मैच जीतकर टॉप पर रहकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। लखनऊ रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया कि आगरा में चल रही 18वीं सब जूनियर नेशनल रोलबॉल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश बॉयज टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। पूरे देश से आई कुल 22 टीम प्रतिभाग कर रही हैं, जिन्हें 4 पुल में बांटा गया है। पुल ए में उत्तर प्रदेश टीम ने अपने पहले मैच में मजबूत टीम महाराष्ट्र को 7–0 से पराजित किया। तत्पश्चात केरला को 9 –1 से, तेलंगाना को 15–0 से और पांडिचेरी को 13–1 से पराजित किया। लीग के अंतिम मैच में छत्तीसगढ़ को 25–0 के बड़े अंतर से हरा कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में लखनऊ डीपीएस स्कूल के आरुष मिश्रा ने बेहतरीन 3 और जयपुरिया गोमतीनगर स्कूल के हर्ष पांडेय ने 1 गोल करके टीम को विजयी बनाया। उत्तर प्रदेश रोलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश त्यागी, सचिव संतोष श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रविन्द्र कपिल, लखनऊ रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव मंजू श्रीवास्तव, लखनऊ कोच नीरज श्रीवास्तव टीम के प्रदर्शन खुशी जताते हुए कहा कि निश्चित है हमारी उत्तर प्रदेश की टीम विनर का खिताब हासिल करेगी।

खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक, खलासी की मौत

सीतापुर, (संवाददाता)। सिधौली में नेशनल हाईवे पर गड़िया हसनपुर गांव के पास रविवार को सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में दूसरा ट्रक जा घुसा। हादसे में दूसरे ट्रक के खलासी की मौत हो गई। गांव के पास हाईवे पर रविवार सुबह सड़क के किनारे मौरंग लदा ट्रक खड़ा था। पीछे से दूसरे ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। दूसरे ट्रक को जमाल चला रहे थे। उनके साथ हरदोई के संडीला लोखरियन खेड़ा निवासी तौकीर (35) खलासी के तौर पर मौजूद थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दूसरे ट्रक का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। तौकीर व जमाल केबिन में फंस गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की सहायता से दोनों को केबिन से बाहर निकालकर सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने खलासी तौकीर को मृत घोषित कर दिया। वहीं चालक को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर बलवंत शाही ने बताया कि ट्रक को हटाते हुए सुबह ही यातायात बहाल कर दिया गया था। वाहन को कब्जे में लेकर कार्रवाई की जा रही है। थानगांव इलाके के नई बस्ती प्राथमिक विद्यालय के पास रविवार को बाइक व ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। ग्राम पंचायत जिन्नापुरवा टापरा निवासी सुहेल (18) सुबह बाइक से कहीं जा रहे थे। दूसरी तरफ से लकड़ी लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली आ रही थी। विद्यालय के पास दोनों की टक्कर हो गई। हादसे में सुहेल घायल हो गए। परिजन उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे, ।

छठ महापर्व सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लोक आस्था के महापर्व छठ का सफल एवं सकुशल आयोजन आज उदयाचल भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस टीम, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता कर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों, मीडिया बंधुओ तथा श्रद्धालुजनों के सहयोग से यह लोक आस्था का पर्व शांतिपूर्ण एवं श्रद्धाभाव से सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ ने पर्व के दौरान निरंतर भ्रमणशील रहकर तथा नौका से भी विभिन्न घाटों एवं आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता एवं अनुशासन सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित श्रद्धालुओं से संवाद भी स्थापित किया तथा उन्हें छठ महापर्व की शुभकामनाएं भी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि लोक आस्था एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा यह पर्व जिले की सामूहिक एकजुटता एवं अनुशासन का प्रतीक है। यह महापर्व न केवल आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है, अपितु राष्ट्रीय एकता, प्राचीन भारतीय विरासत और प्रकृति से संवाद का भी प्रतीक है। जिलाधिकारी ने इस महापर्व पर छठ मैया से जनपदवासियों के लिए सुख, समृद्धि, यश, कीर्ति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना भी की। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया कि घाटों पर पूजन के पश्चात जो भी पूजन सामग्री अवशेष है, उसका निस्तारण समुचित तरीके से कराना सुनिश्चित करें तथा घाटों, नदियों, तालाबों पर साफ सफाई भी कराएं, इसमें जनसहयोग की भी अपील की गई। जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित नाविकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया तथा उनके कार्यों की सराहना की। साथ ही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुजनों से अपील की कि आगामी पर्वों को भी आपसी सद्भाव, स्वच्छता एवं अनुशासन के साथ मनाएं जिससे जौनपुर जिले की गंगा–जमुनी संस्कृति और अधिक सशक्त हो।

छठ पूजा पर किशोर गोमती नदी में डूबा,गोताखोरों ने शव बरामद किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। छठ पूजा के दौरान मंगलवार सुबह गोमती नदी में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रामजानकी घाट मियांपुर पर यह घटना हुई, जहां किशोर नहाते समय गहरे पानी में चला गया। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को नदी से बाहर

निकाला। जानकारी के अनुसार, छठ पर्व के अवसर पर घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। मियांपुर निवासी सचिन निषाद पुत्र स्व राजमणि निषाद नदी में नहाने उतरा और गहरे पानी में डूब गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही लाइन बाजार थाने की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाया, जिन्होंने तलाश अभियान शुरू किया। कुछ समय की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने सचिन का शव नदी से बरामद कर लिया। किशोर की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में लाइन बाजार थाना अध्यक्ष सतीश सिंह ने बताया कि लड़के का शव पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय भेजा दिया है। परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं मिली है। पंचायत नामा के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डॉक्टर भगवान नहीं, सीमित दायरे में करता है सेवा - डॉ. भरत सेठी

पीलीभीत, (संवाददाता)। महिला की मौत के बाद निजी अस्पताल में हुए हंगामे से चिकित्सकों में नाराजगी है। आईएमए से जुड़े डॉक्टरों ने रविवार को प्रेस वार्ता कर घटना की निंदा की और इसे चिकित्सक समुदाय का मनोबल तोड़ने वाला बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर इलाज करते हैं, चमत्कार नहीं। मरीजों के परिजनों को भी समझना होगा कि मृत्यु अटल सत्य है। प्रेस वार्ता का संचालन आईएमए सचिव डॉ. राकेश गुप्ता ने किया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. भरत सेठी ने कहा कि डॉक्टर भगवान नहीं, बल्कि सेवा देने वाला व्यक्ति है। वह मरीज की उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास करता है, लेकिन मृत व्यक्ति को जीवित नहीं कर सकता। विज्ञान और ज्ञान समय के साथ बदलते हैं। ऐसे में समाज को शिक्षित होकर चिकित्सक की सीमाओं को समझना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। श्रीराम अवध

मेडिकल कॉलेज के डॉ. जीएन मिश्रा ने कहा कि इस तरह की घटनाएं अत्यंत दुखद हैं। कोई चिकित्सक कभी नहीं चाहता कि उसके इलाज के दौरान मरीज की मौत हो। यह स्थिति मरीज के परिवार और डॉक्टर दोनों के लिए दुखदायक होती है। उन्होंने बताया कि 19 अक्तूबर को न्यूरिया क्षेत्र की शकुंतला देवी पत्नी सर्वेश कुमार वायरल फीवर व अन्य समस्याओं के कारण ओपीडी में आई थीं। जांच में सूजन और पीलापन पाया गया। 14 अक्तूबर की रिपोर्ट में स्थिति गंभीर पाई गई और भर्ती की सलाह दी गई लेकिन परिजनों ने मना कर दिया। बाद में हिमोग्लोबिन 7.5 और एल्ब्यूमिन 2.6 पाया गया। इलाज के दौरान तीन घंटे तक तबीयत सामान्य रही पर स्थिति बिगड़ने पर हायर सेंटर रेफर किया। कुछ देर बाद परिजन लौटे और हंगामा करने लगे। हाथापाई, तोड़फोड़ और आगजनी की धमकी दी। आईएमए अध्यक्ष डॉ. सेठी ने कहा कि यह घटना पीलीभीत में पहली बार हुई है। इसमें डॉक्टरों के साथ हाथापाई हुई। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी डॉक्टरों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा की थी लेकिन कुछ लोगों की सोच नहीं बदली। मौत पर हंगामा करना गलत है। समाज को डॉक्टर की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने पुलिस की तत्पर कार्रवाई पर संतोष जताया और उम्मीद की कि भविष्य में चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. एसके अग्रवाल भी मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।